

लाल चुनरिया ओढ़े मर्क - सिंगा असवार  
 सुन्दर मुखड़ा लागे - मैया आई द्वार  
 चरण होड़ कहाँ - जाऊँ री ओ मर्क  
 मैया चरण होड़ कहाँ - जाऊँ ओ हो मर्क

माथे पे चंदा सोहे मर्क

जामे जग उजयार

मुकुट शीश पे सोहे मर्क

नग जड़े हजार -- चरण होड़ --

केश घटा से द्वाये मर्क

पहिने मणियों के हार

बिंदिया प्यारी लागे मर्क

जामे चमक अपार -- चरण होड़ --

नाक नथनियाँ सोहे मर्क

हीरा लगो अमोल

कानों में झुमका सोहे मर्क

लड़-आ रही झोल -- चरण होड़ --



बाजू में बाजू बंधा मर्झ  
 जामें नाँचे मोर  
 चुरियों बीच कँगनवाँ मर्झ  
 काहे कर रहो शोर -- चरण होड़ ---  
 मीना जड़ी करधनियाँ मर्झ  
 लगे कौन उन्हार  
 इन्द्रधनुष सी लागे  
 बनीं नौऊ कलार -- चरण होड़ ---  
 पाँव पेयजनियाँ बाजें मर्झ  
 बौरा लगे हजार  
 रुनझुन-रुनझुन बोलें  
 भर रहे किलकार -- चरण होड़ ---  
 लाल कमल सी-रेड़ी मर्झ  
 माहुर की कोर  
 बिहियाँ सुहानी लागें मर्झ  
 पहनें पोरई पोर --- चरण होड़ ---  
 माया तेरी निराली मर्झ  
 जे को-ओर-न होर  
 पड़े "श्री बाबा श्री" चरण में मर्झ  
 रै-रै कहें कर जोर -- चरण होड़ ---